



23/5/18 पञ्जावली "घाथ आपने डार"

शिविर लिपाना मे प्रकृत डर
प्राप्त व नरपिनार डीडवाना
उपस्थित । प्राप्ति श्री विगत तुल
नारायण राम जाति सई डार 136
L.R. 00 के तहत प्रमाण .

राकेश
(संलग्न चिंथार)

पुस्तक कर निवेदन विद्या श्री उसे
 वास्तविकता में धरेनु नाम बाबू लाल
 के नाम से जाना जाता है श्री
 के पिता श्री नारायण राम के स्वामीपद
 के पत्न्यात् नामानुवाद भरते रामपद उक्त
 वास्तविक नाम श्री विजय ११० नारायण राम
 इति नहीं विद्या जाकर धरेनु नाम बाबू लाल
 इति पर दिया जहां जाकर प्रथम सबी
 राजगीर कारागारों में उक्त नाम श्री विजय
 ११० नारायण राम इति है।

सिंघाना प्रान्त सेवा सेट पर
 मजदूरी नाम में इतना तर्क ही
 जांच ही गई तब परपत्र प्राप्त
 फाउण्डर सिंघाना से भी इतिहास की
 गई। श्री के कारागारों वा प्रब्लोस रिफ
 गया। ११५ विद्या नाम उक्त पासागल्या।

श्री वा नाम उक्त सिंघाना है
 १३५, १३६, १३७ में बाबू लाल
 के लग्न पर श्री विजय पुत्र नारायण राम
 डिपें नाम के प्रादेश डिपें जाते है
 निजीप की प्रति तदधीनकार हीडवाना से
 पावनारी भेती जाते एकादशी केवल शुभ
 सेवा सेर के उक्त है

2

22/5/18
 सहायक कलेक्टर
 डी. डी. वाना